|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 10. August 2025 | | | |
| **19. Sonntag im Jahreskreis C** | | | |
| Erste Lesung: Weish 18,6-9; Zweite Lesung: Hebr 11,1-2.8-19 oder 11,1-2.8-12; | | | |
| Evangelium: Lk 12,32-48 oder 12,35-40 | | | |
|  |  | |  |
| Eröffnung: | GL 551, 1+3! | | Nun singt ein neues Lied dem Herren |
|  | GL 481, 1+2! | | Sonne der Gerechtigkeit |
|  |  | |  |
| Kyrie: | GL 163, 2 | | Herr Jesus |
|  | GL 151 | | Herr, erbarme dich |
|  |  | |  |
| Gloria: | GL 714 | | Ehre dir Gott |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | Psalm 33, 1. 12. 18-20 u. 22 | | |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 56, 1 | | Freut euch: wir sind Gottes Volk |
|  | oder | |  |
|  | GL 392, 4+5 | | Lobe den Herren |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 4 |  | |
|  | Vers: |  | |
|  | *Seid wachsam und haltet euch bereit!* | | |
|  | *Denn der Menschensohn kommt zu einer Stunde,* | | |
|  | *in der ihr es nicht erwartet.* | | |
|  |  |  | |
| Credo: | GL 793 | Dich, o Gott, wir Vater nennen | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 435, 1+4! | Herr, ich bin dein Eigentum | |
|  |  |  | |
| Sanctus: | GL 708 | Heilig | |
| Agnus Dei: | GL 800 | Herr, gib uns deinen Frieden | |
|  |  |  | |
| Danksagung: | GL 465, 3+4 | Das Jahr lehrt | |
|  | GL 96, 2+6 | Die Erde kreist dem Licht entgegen | |
|  |  |  | |
| Schluss: | GL 478, 3+5 | Die Kirche ist erbauet | |
|  | GL 795 | Möge die Straße | |